University in News on 27 April 2021

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : बीकॉम थर्ड सेमेस्टर का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को बीकॉम थर्ड सेमेस्टर और बीए ऑनर्स प्राचीन भारतीय इतिहास थर्ड सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम जारी कर दिए है। परीक्षा मार्च में आयोजित की जा चुकी थीं, लेकिन कोरोना के कारण कार्य प्रभावित होने से परिणाम जारी नहीं किए जा सके थे। बीकॉम तृतीय सेमेस्टर के परीक्षाओं में कुल 9607 परीक्षार्थी

बैठे थे, जिनमें से 8637 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। बीकॉम तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा का पास परसेंटेज 89.9 रहा है। वहीं, बीए ऑनर्स प्राचीन भारतीय इतिहास के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा में 52 परीक्षार्थी बैठे और उनमें से 46 सफल रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कई अन्य विभागों के तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के परिणाम पर काम चल रहा है। जल्द ही उनके भी परिणाम जारी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 47 अलग-अलग परीक्षाओं के परिणाम जारी किए जा चुके हैं। बता दें कि परीक्षा होने के बाद परिणाम न जारी होने का असर अगली क्लास पर पड़ रहा था। विद्यार्थी पास हैं या फेल, परिणाम जानने के बाद ही अगली क्लास की पढ़ाई में शामिल होते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

बीकॉम तीसरे सेमेस्टर में 89.9% तो बीए ऑनर्स में 88.46% पास

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय ने वीकॉम, वीए ऑनर्स प्राचीन भारतीय इतिहास के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं के नतीजे सोमवार को जारी कर दिए। वीकॉम तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा में कुल 9607 परीक्षार्थी वैठे थे। इसमें 8637 अभ्यर्थी यानी 89.9 प्रतिशत सफल हुए। वहीं, वीए ऑनर्स प्राचीन भारतीय इतिहास के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा में 52 परीक्षार्थियों में 46 पास (88.46%) हुए।

लविवि ने सोमवार को बीए ऑनर्स प्राचीन भारतीय इतिहास और बीकॉम के तीसरे सेमेस्टर के नतीजे जारी किए

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने वताया कि होली से पहले और सोमवार को जारी किए गए परिणामों को मिलाकर लगभग 47 अलग-अलग परीक्षाओं के नतीजे जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अन्य विभागों के परीक्षाओं के परिणाम भी जल्द ही विश्वविद्यालय की वेवसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे।

पांचवें सेमेस्टर वालों को रिजल्ट का इंतजार : कोरोना महामारी के चलते लविवि का शैक्षणिक सत्र चार महीने देरी से चल रहा है। सोमवार को जारी हुए नतीजों की परीक्षाएं मार्च में हुईं थीं। पिछले दिनों विवि के शिक्षकों और कर्मचारियों के कोरोना की चपेट में आने से परीक्षार्थियों में भय था कि पहले से लेट चल रहा सत्र कहीं और लेट न हो जाए। ऐसे में अव पांचवें सेमेस्टर के परीक्षार्थियों को भी अपने रिजल्ट का इंतजार है। पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने ट्विटर पर जल्द नतीजे जारी करने की लविवि से गुहार लगाई है।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

बीकॉम थर्ड सेमेस्टर व बीए ऑनर्स का रिजल्ट जारी

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को वीकॉम थर्ड सेमेस्टर और वीए ऑनर्स प्राचीन भारतीय इतिहास थर्ड सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम जारी किए। परीक्षा नियंत्रक आनंद मुरारी सक्सेना ने वताया कि इन दो विभागों के तृतीय सेमेस्टर के परिणाम जारी हो पाए है। वीकॉम तृतीय सेमेस्टर के परीक्षाओं में कुल 9607 परीक्षार्थी वैठे थे, जिनमें से 8637 अभ्यर्थी सफल होने में समर्थ रहे है। वीकॉम तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा का पास परसेंटेज 89.9 रहा। दूसरी तरफ वीए ऑनर्स प्राचीन भारतीय इतिहास के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा में 52 परीक्षार्थी वैठे और उनमें से 46 सफल रहे, अर्थात प्राचीन भारतीय इतिहास के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा का पास परसेंटेज 88.46 रहा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सभी विभागों के परीक्षाओं के परिणाम भी जल्द ही विश्वविद्यालय वेवसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे।

TOI PAGE 3

How critically ill Covid patients defeated virus

Mohita Tewari & Vivek Singh Chauhan | TNN

Prof Kaviraj and Prof Poonam Tandon

Lucknow: Despite high Covid-19 transmission and death rates, there is also no dearth of people who got critically ill and spent days in hospitals, but successfully defeated the virus.

General physician Dr Wazahat (42), a resident of Rahimnagar, was admitted to Era's Lucknow Medical College and Hospital with breathing issues with 80% blood oxygen levels earlier this month. Tests revealed that he was suffering from bilateral pneumonia caused by Covid-19. Chances of his survival were grim, but he fought bravely with the help of doctors and recovered.

"His x-ray showed that the lungs were white, indicating severe infection. He was already asthmatic and diabetic. We decided to put him on the ventilator. Course of antibiotics and anticoagulants was done and his condition improved gradually. In three days, his ventilator support was taken off and fully recovered in a week," said ELMCH principal Dr MM Faridi.

"'Dua aur dost se jyada, ek accha doctor Covid se ladney ki shakti deta hai (More than prayers and friends, a good doctor gives strength to fight against Covid-19), said Prof Kaviraj (50), who teaches political science in Lucknow University, who was hospitalized for a week after contracting the infection. He was admitted to KGMU following breathlessness on April 10.

The sight of people dying in front of him due to the disease left him in depression, but doctors kept motivating him that helped him generate will power to fight against the infection. "Four out of six patients in my ward died, but doctors told me daily not to bother because they were confident that I would survive and be discharged soon," said the professor, who recovered after nine days of hospitalisation.

Prof Poonam Tandon (52), head, department of physics and dean student welfare, Lucknow University, spent a total of 10 days in two hospitals before recovering. "For the first three days after being diagnosed with the disease, I was admitted at Era's Medical hospital and later when my fever and oxygen levels didn't improve, I was shifted to Dr Ram Manohar Lohia hospital," she said.

"I was deeply shattered when my two colleagues Prof KC Pandey and Prof BK Shukla – admitted in the same ward -- died before me. I slipped into depression, but my daughter and husband kept motivating me all the while, keeping me mentally and psychologically strong," she added.

HINDUSTAN PAGE 7

स्नातक दाखिले के लिए जून में प्रवेश परीक्षा संभव

लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन की तिथि बढ़ना तय है। यह आवेदन शैक्षिक सत्र 2021-22 में दाखिले के लिए हो रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि करीब 20 से 25 दिन आवेदन की तिथि और बढ़ाई जा सकती है। इस प्रकार से दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा जून में हो सकती है। जानकारों की मानें तो यदि हालात नहीं सुधरे और 12वीं की परीक्षाओं में देरी हुई तो ये तिथि जून तक भी आगे बढ़ सकती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी, स्नातक और स्नातक प्रोफेशनल कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। इनके लिए आवेदन की अन्तिम तिथि तीन मई निर्धारित की है। कोरोना संक्रमण के मद्देनजर यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 20 मई तक टाली जा चुकी हैं। मई के पहले सप्ताह में सरकार स्थिति की समीक्षा करेगी।

सीबीएसई और सीआईएससीई ने भी परीक्षाएं टालने की घोषणा कर दी है। ये दोनों शिक्षा बोर्ड जून में स्थिति की समीक्षा करेंगे। अगर कोरोना संक्रमण के हालात नहीं सुधरे तो बोर्ड की परीक्षाएं 10 से 20 जून से पहले नहीं हो सकतीं।12वीं की परीक्षाएं होने के बाद ही स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदनों की रफ्तार बढ़ती है।

बीएड प्रवेश परीक्षा की तिथि का इंतजार

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 19 मई को प्रस्तावित बीएड प्रवेश परीक्षा को पहले ही टाल दिया है। अभी प्रवेश परीक्षा की नई तिथियों पर फैसला नहीं हुआ है। लेकिन, उम्मीद जताई जा रही है कि स्थिति अगर सामान्य हुई तो जून में प्रवेश परीक्षा करायी जा सकती है। बीते वर्ष अगस्त में इस परीक्षा का आयोजन किया गया था। उस समय कोरोना संक्रमण प्रदेश में अपने चरम पर था।

एलयू: छात्रों को प्रमोट करने की मांगी अनुमति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मौजूदा कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए स्नातक और परास्नातक के पहले सेमेस्टर की परीक्षाओं को न कराके छात्रों को प्रमोट करने की अनुमति उत्तर प्रदेश शासन से मांगी है। स्नातक के तीसरे और पांचवे सेमेस्टर की परीक्षाएं कोरोना महामारी की दूसरी वेव से पहले कराई जा चुकी थीं जिसके कुछ परीक्षाओं के परिणाम जारी भी किए गए हैं। अन्य परीक्षा के भी परिणाम भी जल्दी घोषित किए जायेंगे। विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दिए जाएंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 2

बीकॉम थर्ड सेमेस्टर व बीए ऑनर्स का परिणाम जारी

लखनऊ विवि

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को बीकॉम थर्ड सेमेस्टर और बीए ऑनर्स प्राचीन भारतीय इतिहास थर्ड सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम जारी कर दिए हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर ए एम सक्सेना ने बताया कि यह परिणाम एवं विश्वविद्यालय के कई अन्य विभागों के थर्ड और फिफ्थ सेमेस्टर के परिणाम पर पिछले कई हफ्तों से परीक्षा विभाग कार्यरत था जिसके फलस्वरूप आज इन दो विभागों के तृतीय सेमेस्टर के परिणाम जारी हो पाए हैं। उन्होंने सूचना दी कि बीकॉम तृतीय सेमेस्टर के परीक्षाओं में कुल 9607 परीक्षार्थी बैठे थे जिनमें से 8637 अभ्यर्थी सफल होने में समर्थ रहे हैं। बीकॉम तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा का पास परसेंटेज 89.9 रहा। दूसरी तरफ बीए ऑनर्स प्राचीन भारतीय इतिहास के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा में 52 परीक्षार्थी बैठे और उनमें से 46 सफल रहे, अर्थात प्राचीन भारतीय इतिहास के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा का पास परसेंटेज 88.46 रहा। प्रोफेसर ए एम सक्सेना ने यह भी सूचना दी कि होली से पहले जारी किए गए परिणाम और आज जारी किए गए परिणामों को मिलाकर लगभग 47 परीक्षाओं के परिणाम आज तक जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि परीक्षा विभाग के निरंतर कार्य से बचे सभी विभागों के परीक्षा परिणाम भी जल्द ही विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे।